Series SRQP2/2

SET-2

प्रश्न-पत्र कोड **29/2/2**

रोल नं. | | | | | | | | |

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या 14 है । **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में **दो** खण्ड हैं — खण्ड अ और ब ।*

(iii) ***खण्ड अ** में 40 बहुविकल्पी/वस्तुपरक उप-प्रश्न पूछे गए हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी उप-प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

(iv) ***खण्ड ब** में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं ।*

(v) *प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।*

(vi) *यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए ।*

खण्ड अ

(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न) **40 अंक**

1. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *8×1=8*

पृथ्वी की छाती फाड़, कौन यह अन्न उगा लाता बाहर ?
दिन का रवि, निशि की शीत कौन लेता अपनी सिर-आँखों पर ?
कंकड़-पत्थर से लड़-लड़कर, खुरपी से और कुदाली से,
ऊसर बंजर को उर्वर कर, चलता है चाल निराली ले

मज़दूर भुजाएँ वे तेरी, मज़दूर शक्ति तेरी महान;
घूमा करता तू महादेव ! सिर पर लेकर आसमान ।
पाताल फोड़कर, महाभीष्म ! भूतल पर लाता जलधारा;
प्यासी भूखी दुनिया को तू देता जीवन संबल सारा ।

खेती से लाता है कपास, धुन-धुन, बुनकर अंबार परम;
इस नग्न विश्व को पहनाता तू नित्य नवीन वस्त्र अनुपम ।
नंगी घूमा करती दुनिया, मिलता न अन्न, भूखों मरती,
मज़दूर भुजाएँ जो तेरी मिट्टी से नहीं युद्ध करती ।

तू छिपा राज्य-उत्थानों में, तू छिपा कीर्ति के गानों में;
मज़दूर भुजाएँ तेरी ही दुर्गों के शृंग-उठानों में ।
तू छिपा नवल निर्माणों में, गीतों और पुराणों में;
युग का यह चक्र चला करता तेरी पद-गति की तानों में ।

तू ब्रह्मा-विष्णु रहा सदैव
तू है महेश प्रलयंकर फिर ।
हो तेरा तांडव शंभु ! आज
हो ध्वंस, सृजन मंगलकर फिर ।

(i) 'पृथ्वी की छाती फाड़' से क्या अभिप्राय है ?

(A) धरती को नरम बनाकर (B) धरती को चीर कर
(C) धरती पर हल चलाकर (D) धरती को सींचकर

(ii) किसान खुरपी और कुदाली से क्या करता है ?

(A) खेतों में बीज बोता है

(B) खेतों में क्यारियाँ बनाता है

(C) धरती से घास-तिनके हटाता है

(D) बंजर धरती को उपजाऊ बनाता है

(iii) 'दिन का रवि, निशि की शीत' से आशय है :

(A) सूर्य का प्रकाश और चंद्रमा की शीतलता

(B) दिन का सूर्य और रात्रि का चंद्रमा

(C) दिन की गर्मी और रात की सर्दी

(D) दिन की गर्मी और रात की चाँदनी

(iv) किसान की भुजाओं को मज़दूर क्यों कहा गया है ?

(A) कठोर परिश्रम करने की क्षमता से युक्त होने के कारण

(B) खेतों में काम करने की क्षमता से युक्त होने के कारण

(C) शक्ति से युक्त होने के कारण

(D) उसे संबल प्रदान करने के कारण

(v) 'मिट्टी से युद्ध करने' से अभिप्राय है :

(A) मिट्टी से खेलना

(B) मिट्टी में रहना

(C) मिट्टी पर हल चला फ़सल उगाना

(D) मिट्टी से खरपतवार हटाना

(vi) किसान की तुलना देवताओं से क्यों की गई है ?

(A) धरती की छाती फाड़ अन्न उपजाने के कारण

(B) पाताल से जल-धारा लाने के कारण

(C) शरीर ढकने के लिए वस्त्र प्रदान करने के कारण

(D) जीवनयापी साधन प्रदान करने के कारण

(vii) 'पाताल फोड़कर, महाभीष्म ! भूतल पर लाता जलधारा' – पंक्ति में पाताल से अभिप्राय है :

(A) नदी-नहरों से (B) धरती के गर्भ से

(C) सूखे तालाबों से (D) मृतप्राय कूपों से

(viii) इस कविता के केंद्रीय भाव हेतु दिए गए कथनों को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

I. किसानों की महिमा का उल्लेख करना

II. किसानों के जीवन की कठिनाइयों का उल्लेख करना

III. किसानों की दिनचर्या का वर्णन करना

IV. किसानों के परिश्रम का वर्णन करना

विकल्प :

(A) केवल कथन I सही है । (B) कथन I और IV सही हैं ।

(C) कथन I, II और III सही हैं । (D) कथन I, II और IV सही हैं ।

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *10×1=10*

भाषा अपने समाज का प्रतिबिंब होती है, यदि वह संरक्षित नहीं रहेगी तो प्रतिबिंब की कल्पना नहीं की जा सकती । आज न जाने कितनी बोलियाँ आम लोगों की ज़ुबान और व्यवहार से दूर जाती दिख रही हैं । बोलियों की एक गूढ़ बात यह है कि इनमें पारंपरिक ज्ञान का विशाल भंडार छिपा रहता है । किंतु इस ख़ासियत से बेपरवाह दुनिया में प्रचलित सात हजार भाषाओं में से लगभग 300 को लुप्तप्राय माना जाता है । जनजातीय भाषाएँ वहाँ की वनस्पतियों, जीवों और औषधीय पौधों के बारे में ज्ञान का खजाना हैं । आमतौर पर यह ज्ञान पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होता है । ऐसे में, भाषाओं का विलुप्त होना गंभीर समस्या है । पृथ्वी की मौजूदा भाषायी विविधता का करीब आधा हिस्सा खतरे में है ।

किसी भी देश या समाज की मूलभाषा के विलुप्त होने के कई कारण हैं – जैसे – प्राकृतिक या मानवीय कारणों से लोगों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर पलायन करना, आधुनिक शिक्षा प्रणाली, अंग्रेज़ी का बढ़ता वर्चस्व और तकनीक का बढ़ता प्रसार । भाषा किसी भी सभ्यता व संस्कृति तथा उसके रहन-सहन को पहचान देती है । ईसाइयों और यहूदियों के धर्म ग्रंथों की मूल भाषा हिब्रू, जैन और बौद्ध धर्म की भाषा प्राकृत और पाली सहित अनेक भाषाओं का अस्तित्व खो गया है । इसलिए यदि सही अर्थों में किसी संस्कृति की प्रगाढ़ता को समझना है तो उसकी भाषा को समझना होगा, संरक्षित करना होगा । लोकतंत्र के समुचित विकास के लिए भी विभिन्न भाषाओं का समृद्ध होना बहुत जरूरी है क्योंकि इनके माध्यम से देश के एक कोने से दूसरे कोने की समस्या को समझकर उसका समाधान किया जा सकता है । स्थानीय भाषाओं का संरक्षण कर ही समाज का समावेशी विकास हो पाता है ।

भारतीय भाषाओं का केंद्रीय संस्थान खतरे में पड़ी देश की भाषाओं और बोलियों के संरक्षण के उपाय में जुट गया है । ये सब वे भाषाएँ हैं जिन्हें दस हजार से भी कम लोग बोलते हैं । जल-जंगल-जमीन के लिए जाग्रत समाज भी अब समझने लगा है कि अपनी संस्कृति को बचाने के लिए इन तीनों की सुरक्षा के अलावा भी बहुत कुछ करने की आवश्यकता है । वे समझ गए हैं कि जब किसी भाषा का पतन होता है तो उसमें बसी ज्ञान-प्रणाली भी पूरी तरह समाप्त हो जाती है ।

(i) प्रस्तुत गद्यांश का वर्ण्य विषय है :

(A) विश्व की प्राचीन भाषाएँ और बोलियाँ

(B) आम ज़ुबान से दूर होती मातृ-भाषा

(C) विदेशी भाषा के प्रति बढ़ता मोह

(D) विलुप्त होती बोलियाँ और भाषाएँ

(ii) बोलियों के विषय में निम्नलिखित में से क्या सत्य है ?

(A) इन्हें सीखना-सिखाना सरल होता है ।

(B) ये पारंपरिक ज्ञान का भंडार होती हैं ।

(C) पीढ़ी-दर-पीढ़ी इनका स्वरूप बदलता है ।

(D) ये भाषा का प्रारंभिक रूप है ।

(iii) किसी भी भाषा का अस्तित्व समाप्त होना, समाप्त होना है वहाँ के/की :

(A) जल-जंगल-जमीन का (B) परंपरागत ज्ञान-प्रणाली का

(C) विचार-विनिमय के साधन का (D) स्थानीय भाषा के शब्द-भंडार का

(iv) निम्नलिखित शब्द-युग्मों में से कौन-सा युग्म सही ***नहीं*** है ?

(A) पाली – बौद्ध (B) प्राकृत – जैन

(C) अंग्रेज़ी – ईसाई (D) हिब्रू – यहूदी

(v) 'समावेशी विकास' से तात्पर्य है :

(A) प्रत्येक भाषा का विकास (B) प्रत्येक धर्म का विकास

(C) प्रत्येक जाति का विकास (D) प्रत्येक व्यक्ति का विकास

(vi) जल-जंगल-जमीन के साथ-साथ ________ को भी बचाने की आवश्यकता है । (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए उचित विकल्प का चयन कर लिखिए)

(A) पारंपरिक ज्ञान (B) जनजातीय भाषाओं

(C) प्राकृतिक परिवेश (D) पर्यावरण

(vii) किसी भी समाज की मूलभाषा के विलुप्त होने का कारण निम्नलिखित में से क्या ***नहीं*** है ?

(A) तकनीक का बढ़ता विस्तार

(B) उच्च शिक्षा के लिए घर से दूर जाना

(C) मातृ-भाषा को विशेष महत्त्व न देना

(D) मूल भाषा का रोजगारपरक न होना

(viii) गद्यांश के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों को पढ़कर सही विकल्प का चयन कर लिखिए :

I. मूल भाषा को समझे बिना संस्कृति की प्रगाढ़ता को नहीं समझा जा सकता ।

II. लोकतंत्र की नींव भाषायी-विविधता पर टिकी है ।

III. समावेशी विकास के लिए भाषायी विविधता का संरक्षण आवश्यक है ।

विकल्प :

(A) केवल कथन I सही है ।

(B) केवल कथन III सही है ।

(C) कथन I और III सही हैं ।

(D) कथन II और III सही हैं ।

(ix) भारतीय भाषाओं के केंद्रीय संस्थान द्वारा किन भाषाओं और बोलियों के संरक्षण का प्रयास किया जा रहा है ?

(A) खतरे में पड़ी देश की भाषाओं और बोलियों को

(B) खतरे में पड़ी विदेशी भाषाओं और बोलियों को

(C) दस हजार से भी कम लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषाओं और बोलियों को

(D) आदिवासी जन जीवन को संरक्षित करने वाली भाषाओं और बोलियों को

(x) इस गद्यांश का उद्देश्य है :

(A) बोलियों और भाषाओं को संरक्षण प्रदान करना

(B) बोलियों और भाषाओं के महत्त्व से परिचित कराना

(C) बोलियों और भाषाओं को संवर्धित करना

(D) विलुप्त होती बोलियों और भाषाओं के प्रति चिंता व्यक्त करना

(पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

3. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *7×1=7*

(i) राख के ढेर में पोटली ढूँढ़ते सूरदास की तुलना किससे की गई है ?

(A) नदी में से पैसे बटोरते गंगा-पुत्रों से

(B) सागर में से मोती ढूँढ़ते गोताखोरों से

(C) पानी में मछली ढूँढ़ने वाले आदमी से

(D) रेत में सोना ढूँढ़ने वाले आदमी से

(ii) 'क्या जानता था कि आज यह विपत्ति आने वाली है, नहीं तो यहीं न सोता !' – कथन से सूरदास के मन की किस भावना का पता चलता है ?

(A) पश्चात्ताप (B) निराशा

(C) आत्मग्लानि (D) बेचैनी

(iii) ग्लानि, चिंता और क्षोभ में डूबा सूरदास उबर आया :

(A) खेल में रोते हो, कथन को सुनकर

(B) मिठुआ के रुदन को सुनकर

(C) आत्मिक शक्ति के बल पर

(D) गाँव के बच्चों का स्वर सुनकर

(iv) बिस्कोहर में बारिश अपने साथ क्या ***नहीं*** लाती ?

(A) गंदगी, कीचड़ और बदबू

(B) खेत-खलिहानों में पानी

(C) दिशा-मैदानों की परेशानी

(D) पशुओं के लिए चारे की कमी

(v) इसे 'सेस, सारद' भी नहीं बयान कर सकते ।' – पंक्ति के आधार पर लिखिए कि 'सेस, सारद' क्या वर्णन नहीं कर सकते ?

(A) माँ की बच्चों के प्रति ममता की भावना

(B) बत्तख द्वारा अंडों को उलटना-पलटना

(C) बिसनाथ द्वारा दुग्धपान करने का सुख

(D) बत्तख द्वारा अंडों की रक्षा करने का सुख

(vi) ओंकारेश्वर में नर्मदा चिढ़ती और तिनतिन-फिनफिन करती क्यों बह रही थी ?

(A) खूब अधिक वर्षा होने के कारण

(B) उस पर बाँध बनाए जाने के कारण

(C) जगह-जगह घाट बनाए जाने के कारण

(D) बाँध से पानी छोड़े जाने के कारण

(vii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : मालवा के राजाओं ने तालाब बनवाए, बड़ी-बड़ी बावड़ियाँ बनवाईं ।

कारण : दुष्काल मजे में निकल जाए और धरती के गर्भ में पानी पहुँचाया जा सके ।

विकल्प :

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं ।

(B) कारण सही है, किन्तु कथन ग़लत है ।

(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है ।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

4. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

(i) मि. मेहरा ने राजनीति शास्त्र में उच्च शिक्षा प्राप्त की है और राजनीति में उनकी विशेष रुचि भी है । उनकी योग्यता और रुचि को देखते हुए उन्हें कौन-सी 'बीट' दी जाने की संभावना है ?

(A) आर्थिक (B) राजनीतिक

(C) खेल (D) कानूनी

(ii) टेलीविज़न पर समाचार सुनाते समय निम्नलिखित में से किस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए ?

(A) शब्द परदे पर दिखने वाले दृश्य के अनुकूल हों

(B) सहज, सरल आम बोलचाल की भाषा का प्रयोग हो

(C) आँकड़ों और संख्याओं का इस्तेमाल न किया जाए

(D) गंभीर और गूढ़ बातों का उल्लेख न किया जाए

(iii) समाचारों के चयन की प्राथमिकता का आधार क्या होता है ?

(A) पाठकों की रुचियाँ, दृष्टिकोण

(B) पत्रकारों की रुचियाँ, दृष्टिकोण

(C) संवाददाताओं की रुचियाँ, दृष्टिकोण

(D) प्रकाशकों की रुचियाँ, दृष्टिकोण

(iv) समाचार लेखन के छह ककारों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं ?

I. समाचार लेखन के अंतिम दो ककार हैं – किसलिए और कहाँ ।

II. समाचार लेखन के पहले चार ककार सूचना और तथ्यों पर आधारित होते हैं ।

III. समाचार लेखन के अंतिम दो ककारों में विवरण, व्याख्या और विश्लेषण पर जोर दिया जाता है ।

विकल्प :

(A) केवल I

(B) केवल II

(C) I और II दोनों

(D) II और III दोनों

(v) कारोबार और अर्थ जगत से जुड़ी रोजमर्रा की खबरें लिखी जाती हैं :

(A) उलटा पिरामिड शैली में

(B) कथात्मक शैली में

(C) सीधा पिरामिड शैली में

(D) विश्लेषणात्मक शैली में

(पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

5. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

इस शहर में धूल
धीरे-धीरे उड़ती है
धीरे-धीरे चलते हैं लोग
धीरे-धीरे बजते हैं घंटे
शाम धीरे-धीरे होती है

यह धीरे-धीरे होना
धीरे-धीरे होने की सामूहिक लय
दृढ़ता से बाँधे है समूचे शहर को
इस तरह कि कुछ भी गिरता नहीं है
कि हिलता नहीं है कुछ भी
कि जो चीज़ जहाँ थी
वहीं पर रखी है
कि गंगा वहीं है
कि वहीं पर बँधी है नाव
कि वहीं पर रखी है तुलसीदास की खड़ाऊँ
सैकड़ों बरस से

(i) बनारस शहर में हर काम का 'धीरे-धीरे' होना दर्शाता है :

(A) पारंपरिक जीवन-शैली को

(B) काम करने की धीमी गति को

(C) वहाँ के लोगों की आलसी प्रवृत्ति को

(D) आधुनिकता से बेखबर होने को

(ii) 'कि गंगा वहीं है' – से आशय है :

(A) गंगा का बहाव पहले जैसा है ।

(B) गंगा का स्वरूप पहले जैसा है ।

(C) गंगा के प्रति आस्था और विश्वास पहले जैसा है ।

(D) गंगा की पूजा-अर्चना पहले जैसी है ।

(iii) 'कि वहीं बँधी है नाव' – से अभिप्राय है :

(A) गंगा के दूसरे तट पर जाने के लिए नाव का प्रयोग करते हैं ।

(B) गंगा संबंधी परंपराएँ और मान्यताएँ उसी रूप में विद्यमान है ।

(C) घाटों के किनारे नाव बाँधने का स्थान वहीं है ।

(D) गंगा के घाटों में कोई बदलाव नहीं है ।

(iv) 'तुलसीदास की खड़ाऊँ भी सैकड़ों वर्षों से वहीं रखी है' – पंक्ति का भाव है :

(A) बनारस शहर में कोई किसी चीज़ को नहीं छूता ।

(B) मंदिर के वातावरण में कोई परिवर्तन नहीं है ।

(C) तुलसीदास के प्रति लोगों की श्रद्धा में कोई कमी नहीं है ।

(D) वहाँ का धार्मिक और ऐतिहासिक वातावरण वैसा ही बना हुआ है ।

(v) बनारस शहर में धरोहर के रूप में सुरक्षित है :

(A) गंगा के किनारे घाटों पर बँधी नाव

(B) मंदिरों में रखी तुलसीदास की खड़ाऊँ

(C) प्राचीनता, आध्यात्मिकता, आस्था और विश्वास

(D) प्राचीनता के साथ आधुनिकता का रूप लिए शहर

6. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

कहते हैं, पर्वत शोभा-निकेतन होते हैं । फिर हिमालय का तो कहना ही क्या ! पूर्व और अपर समुद्र – महोदधि और रत्नाकार – दोनों को दोनों भुजाओं से थाहता हुआ हिमालय 'पृथ्वी का मानदंड' कहा जाए तो ग़लत क्या है ? कालिदास ने ऐसा ही कहा था । इसी के पाद-देश में यह जो शृंखला दूर तक लोटी हुई है, लोग इसे शिवालिक शृंखला कहते हैं । 'शिवालिक' का क्या अर्थ है ? 'शिवालिक' या शिव के जटाजूट का निचला हिस्सा तो नहीं है । लगता तो ऐसा ही है । शिव की लटियायी जटा ही इतनी सूखी, नीरस और कठोर हो सकती है । वैसे, अलकनंदा का स्रोत यहाँ से काफ़ी दूरी पर है, लेकिन शिव का अलक तो दूर-दूर तक छितराया ही रहता होगा । संपूर्ण हिमालय को देखकर ही किसी के मन में समाधिस्थ महादेव की मूर्ति स्पष्ट हुई होगी ।

(i) प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने वर्णन किया है :

(A) हिमालय पर पाई जाने वाली वनस्पति का

(B) शिव के अलक जाल के निचले हिस्से का

(C) हिमालय पर्वत की कठोर चट्टानों का

(D) हिमालय पर्वत के प्राकृतिक सौंदर्य का

(ii) हिमालय अपनी दोनों भुजाओं में कौन-से दो समुद्रों को थामे हुए है ?

(A) अरब सागर और बंगाल की खाड़ी

(B) हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी

(C) अरब सागर और हिंद महासागर

(D) बंगाल की खाड़ी और प्रशांत महासागर

(iii) लेखक को 'शिवालिक की पहाड़ियों' में क्या दिखाई देता है ?

(A) शिव की जटाएँ
(B) शानदार ठिगने वृक्ष
(C) अलकनंदा का स्रोत
(D) सूखी हुई दूब

(iv) 'शिवालिक' नामकरण का आधार है :

(A) सूखी नीरस वनस्पति का होना
(B) शिव का समाधिस्थल होना
(C) शिव के समान रूपाकार होना
(D) अलकनंदा का उद्गम स्थल होना

(v) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : हिमालय को देखकर समाधिस्थ महादेव की मूर्ति स्पष्ट होती है ।

कारण : हिमालय पृथ्वी का मानदंड है ।

विकल्प :

(A) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं ।
(B) कथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है ।
(C) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है ।
(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

खण्ड ब

(वर्णनात्मक प्रश्न) **40 अंक**

(जनसंचार और सृजनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्न)

7. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *5*

(क) जब नदी का जल स्तर अचानक बढ़ गया
(ख) और भी खेल हैं, क्रिकेट के अतिरिक्त
(ग) डिजिटल क्रांति की ओर बढ़ता भारत

8. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए : *2×3=6*

(क) पत्रकारीय लेखन का ही एक रूप होते हुए फ़ीचर लेखन समाचार से भिन्न किस प्रकार है ?

(ख) इलैक्ट्रॉनिक माध्यमों की तुलना में मुद्रित माध्यमों की सीमाओं का उल्लेख कीजिए ।

9. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : *2×3=6*

(क) कहानी से आप क्या समझते हैं ? "हर आदमी में कहानी कहने या लिखने का भाव है ।" सिद्ध कीजिए ।

(ख) कविता के महत्त्वपूर्ण घटक कौन-कौन से हैं ? किन्हीं दो का संक्षिप्त वर्णन कीजिए ।

(ग) नाटककार में एक कुशल संपादक के गुण आवश्यक क्यों माने गए हैं ?

(पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

10. निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए : *2×2=4*

(क) 'हेम कुंभ ले उषा सबेरे – भरती ढुलकाती सुख मेरे' – 'कार्नेलिया का गीत' से ली गई इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'यह दीप अकेला' कविता के संदर्भ में 'लघु मानव' के अस्तित्व और महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।

(ग) तुलसीदास के 'पद' के आधार पर राम के वियोग में राम के प्रिय अश्वों की स्थिति का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

11. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** काव्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : *6*

(क) मुझ भाग्यहीन की तू संबल
युग वर्ष बाद जब हुई विकल,
दुख ही जीवन की कथा रही
क्या कहूँ आज, जो नहीं कही !
हो इसी कर्म पर वज्रपात
यदि धर्म, रहे नत सदा माथ
इस पथ पर, मेरे कार्य सकल
हों भ्रष्ट शीत के-से शतदल !
कन्ये, गत कर्मों का अर्पण
कर, करता मैं तेरा तर्पण !

अथवा

(ख) सखि हे, कि पुछसि अनुभव मोए ।
सेह पिरिति अनुराग बखानिअ तिल तिल नूतन होए ।।
जनम अबधि हम रूप निहारल नयन न तिरपित भेल ।।
सेहो मधुर बोल स्रवनहि सूनल स्रुति पथ परस न गेल ।।

12. निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए : *2×2=4*

(क) 'गाँधी, नेहरू और यास्सेर अराफ़ात' पाठ में फ़िलिस्तीनी नेता अराफ़ात द्वारा भीष्म साहनी के प्रति किए गए आतिथ्य सत्कार में भारतीय संस्कृति की झलक मिलती है ।" सिद्ध कीजिए ।

(ख) 'चार हाथ' कहानी के आधार पर लिखिए कि पूँजीवादी व्यवस्था किस प्रकार मज़दूरों का शोषण करती है ।

(ग) 'दूसरा देवदास' कहानी के आधार पर लिखिए कि मंदिर में ऐसी क्या घटना घटी कि पुजारी ने संभव और पारो को 'युगल' समझकर आशीर्वाद दिया ।

13. निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी ***एक*** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

(क) यह तो वेदशास्त्रज्ञ धर्माचार्यों का ही काम है कि घड़ी के पुर्ज़े जानें, तुम्हें इससे क्या ? क्या इस उपमा से जिज्ञासा बंद हो जाती है ? इसी दृष्टांत को बढ़ाया जाए तो जो उपदेशक जी कह रहे हैं उसके विरुद्ध कई बातें निकल आवें । घड़ी देखना तो सिखा दो, उसमें तो जन्म और कर्म की पख न लगाओ, फिर दूसरे से पूछने का टंटा क्यों ? गिनती हम जानते हैं, अंक पहचानते हैं, सुइयों की चाल भी देख सकते हैं, फिर आँखें भी हैं तो हमें ही न देखने दो, पड़ोस की घड़ियों में दोपहर के बारह बजे हैं । आपकी घड़ी में आधी रात है, ज़रा खोलकर देख न लेने दीजिए कि कौन-सा पेच बिगड़ रहा है ?

अथवा

(ख) सिंगरौली, जो अब तक अपने सौंदर्य के कारण 'बैकुंठ' और अपने अकेलेपन के कारण 'काला पानी' माना जाता था, अब प्रगति के मानचित्र पर राष्ट्रीय गौरव के साथ प्रतिष्ठित हुआ । कोयले की खदानों और उनपर आधारित ताप विद्युत गृहों की एक पूरी शृंखला ने पूरे प्रदेश को अपने में घेर लिया । जहाँ बाहर का आदमी फटकता न था, वहाँ केन्द्रीय और राज्य सरकारों के अफ़सरों, इंजीनियरों और विशेषज्ञों की कतार लग गई ।

(पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

14. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी ***एक*** प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : *3*

(क) 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ में किस सामाजिक कुप्रथा का उल्लेख हुआ है ? समाज में विद्यमान इस प्रकार की सामाजिक कुप्रथाओं को कैसे दूर किया जा सकता है ?

अथवा

(ख) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर ग्रामीण जीवन की विषमताओं का वर्णन कीजिए ।

अंक-योजना

पूरी तरह से गोपनीय

(केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए)

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, **2024**

विषय--हिंदी (ऐच्छिक) (Q.P. कोड **29/2/1--3)**

Series SRQP2/2

<u>सामान्य निर्देश:-</u>

1	आप जानते हैं कि अभ्यर्थियों के वास्तविक एवं सही मूल्यांकन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी गलती गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है, जो उम्मीदवारों के भविष्य, शिक्षा-प्रणाली और शिक्षण को प्रभावित कर सकती है। गलतियों से बचने के लिए आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ें और समझें।
2	"मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। इसके किसी भी तरह से जनता के बीच लीक होने से परीक्षा-प्रणाली पटरी से उतर सकती है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य पर असर पड़ सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करने, किसी पत्रिका में प्रकाशित करने और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापने पर बोर्ड और आईपीसी के विभिन्न नियमों के तहत कार्रवाई हो सकती है।'
3	मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना है। इसे अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंक-योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं और/या नवीन हैं अथवा उनकी सत्यता का मूल्यांकन किया जा सकता है उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें भले ही उत्तर अंक-योजना से न हो, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता गिनाई गई हो, उचित अंक दिए जाने चाहिए।
4	अंक-योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाव-बिंदु दिए गए हैं। ये केवल दिशानिर्देशों की प्रकृति में हैं और संपूर्ण उत्तर नहीं बनाते हैं। विद्यार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार उचित अंक दिये जाने चाहिए।
5	मुख्य-परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित पहली पाँच उत्तर-पुस्तिकाओं को देखना होगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता हो तो विचार-विमर्श के बाद उसे शून्य किया जाए।

	मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर-पुस्तिकाएँ यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएँगी कि मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।
6	जहाँ भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (√) अंकित करेंगे। गलत उत्तर के लिए क्रॉस **'X'** अंकित किया जाए।
7	यदि किसी प्रश्न के कुछ भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाहिनी ओर अंक दें। फिर प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के हाशिये में लिखा जाना चाहिए और घेरा बनाया जाना चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाए।
8	यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है तो बाएं हाथ के हाशिए में अंक दिए जाने चाहिए और घेरा लगाना चाहिए। इसका भी सख्ती से पालन किया जाए।
9	**यदि किसी छात्र ने अतिरिक्त प्रश्न किया है तो अधिक अंक प्राप्त उत्तर मान्य हो और कम अंक आने वाले उत्तर को 'अतिरिक्त प्रश्न'–इस नोट के साथ काट दिया जाए।**
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटा जाएगा। इसके लिए केवल एक बार दंडित किया जाना चाहिए।
11	अंकों का एक पूरा पैमाना 0 से 80 का उपयोग करना होगा। यदि उत्तर योग्य है तो कृपया पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य समय अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे तक मूल्यांकन कार्य करना होगा तथा मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं तथा अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (स्पॉट गाइडलाइन्स में विवरण दिया गया है)। प्रश्न-पत्र में कम किये गये पाठ्यक्रम और प्रश्नों की संख्या।
13	सुनिश्चित करें कि आप अतीत में मूल्यांकनकर्ता द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियाँ न करें:- ● उत्तर पुस्तिका में उत्तर या उसके किसी भाग को बिना मूल्यांकन किये छोड़ देना। ● किसी उत्तर के लिए निर्धारित अंक से अधिक अंक देना। ● किसी उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग। ● उत्तर पुस्तिका के अंदर के पन्नों से मुख्य पृष्ठ पर अंकों का गलत स्थानांतरण। ● शीर्षक पृष्ठ पर प्रश्नों के अंकों का गलत योग। ● शीर्षक पृष्ठ पर दो कॉलमों के अंकों का गलत योग। ● गलत कुल योग। ● शब्दों और अंकों में लिखे गए प्राप्तांकों का परस्पर मेल न खाना/समान न होना। ● उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन अंक-सूची में अंकों का गलत स्थानांतरण। ● उत्तरों को सही के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन अंक नहीं दिए गए।

	• उत्तर के आधे या कुछ भाग को सही और शेष को गलत चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	किसी भी मूल्यांकन न किए गए भाग, शीर्षक पृष्ठ पर अंक न ले जाना या उम्मीदवार द्वारा पाई गई कुल त्रुटि से मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान होगा। इसलिए, सभी संबंधित पक्षों की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाए।
16	परीक्षकों को वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले **'स्पॉट मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश'** में दिए गए दिशानिर्देशों से परिचित होना चाहिए।
17	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंकों को मुख पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से योग किया गया है और अंकों और शब्दों में लिखा गया है।
18	उम्मीदवार निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क का भुगतान करके अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया गया है।

प्रश्न-पत्र कोड 29/2/1, 2, 3
अंक-योजना
हिन्दी (ऐच्छिक)

Series SRQP2/2

निर्धारित समय : 3 घंटे अधिकतम अंक : 80

क्र. सं.	प्रश्न-पत्र कोड 29/2/1 प्रश्न सं.	29/2/2 प्रश्न सं.	29/2/3 प्रश्न सं.	उत्तर-संकेत	अंक
				खंड-अ **(वस्तुपरक प्रश्न)**	
1	**1**	**2**	**1**	**अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (D) विलुप्त होती बोलियाँ और भाषाएँ (ii) (B) ये पारंपरिक ज्ञान का भंडार होती हैं। (iii) (B) परंपरागत ज्ञान-प्रणाली का (iv) (C) अंग्रेज़ी – ईसाई (v) (D) प्रत्येक व्यक्ति का विकास (vi) (B) जनजातीय भाषाओं (vii) (C) मातृ-भाषा को विशेष महत्त्व न देना (viii) (C) कथन I और III सही हैं। (ix) (C) दस हजार से भी कम लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषाओं और बोलियों को (x) (A) बोलियों और भाषाओं को संरक्षण प्रदान करना	**10 x 1 =10**
2	**2**	**1**	**2**	**अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (C) धरती पर हल चलाकर	**8 x 1=8**

				(ii) (D) बंजर धरती को उपजाऊ बनाता है (iii) (C) दिन की गर्मी और रात की सर्दी (iv) (A) कठोर परिश्रम करने की क्षमता से युक्त होने के कारण (v) (C) मिट्टी पर हल चला फ़सल उगाना (vi) (D) जीवनयापी साधन प्रदान करने के कारण (vii) (B) धरती के गर्भ से (viii) (D) कथन I, II और IV सही हैं।	
3	**3**	**4**	**4**	**अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित प्रश्न--** (i) (B) राजनीतिक (ii) (A) शब्द परदे पर दिखने वाले दृश्य के अनुकूल हों (iii) (A) पाठकों की रुचियाँ, दृष्टिकोण (iv) (D) II और III दोनों (v) (A) उलटा पिरामिड शैली में	**5 x 1=5**
4	**4**	**5**	**6**	**पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (A) पारंपरिक जीवन-शैली को (ii) (C) गंगा के प्रति आस्था और विश्वास पहले जैसा है। (iii) (B) गंगा संबंधी परंपराएँ और मान्यताएँ उसी रूप में विद्यमान हैं। (iv) (D) वहाँ का धार्मिक और ऐतिहासिक वातावरण वैसा ही बना हुआ है। (v) (C) प्राचीनता, आध्यात्मिकता, आस्था और विश्वास	**5 x 1=5**
5	**5**	**6**	**5**	**पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (D) हिमालय पर्वत के प्राकृतिक सौंदर्य का (ii) (A) अरब सागर और बंगाल की खाड़ी (iii) (A) शिव की जटाएँ	**5 x 1=5**

				(iv) (A) सूखी नीरस वनस्पति का होना (v) (B) कथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।	
6	**6**	**3**	**3**	**पूरक पाठ्यपुस्तक (अन्तराल) पर आधारित प्रश्न--** (i) (C) पानी में मछली ढूँढने वाले आदमी से (ii) (A) पश्चात्ताप (iii) (A) खेल में रोते हो, कथन को सुनकर (iv) (C) प्राकृतिक सौंदर्य (29/2/1) (D) पशुओं के लिए चारे की कमी (29/2/2) (A) लेखक और उसका गाँव (29/2/3) (v) (A) माँ की बच्चों के प्रति ममता की भावना (vi) (B) उस पर बाँध बनाए जाने के कारण (vii) (D) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	**7 x 1=7**
7	**7**	**7**	**7**	**खंड –ब** **(वर्णनात्मक प्रश्न)** **किसी एक विषय पर 100 शब्दों में रचनात्मक लेखन--** विषयवस्तु : 3 अंक भाषा : 1 अंक प्रस्तुति : 1 अंक	**5**
8	**8**	**9**	**9**	**(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित)** **किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित --** (क) (1+2) • किसी घटना, पात्र या समस्या का क्रमबद्ध ब्यौरा जिसमें परिवेश, द्वंद्वात्मकता, कथा का क्रमिक विकास और चरमोत्कर्ष हो, कहानी कहा जाता है।	**2 x 3=6**

				• हर आदमी में अपने जीवन के अनुभव बाँटने और दूसरों के अनुभवों को जानने की प्राकृतिक इच्छा • कहानी कहना या लिखना मानव की स्वाभाविक प्रवृत्ति (ख)• शब्द-चयन, आंतरिक लय, तुकबंदी, वाक्य- संरचना, भाव, कल्पना, विचार, परिवेश, बिंब और छन्द • किन्हीं दो का संक्षिप्त वर्णन (ग)• नाटक की सफलता उसके मंचन में है इसीलिए नाटककार में यदि शिल्प या संरचना की पूरी समझ, जानकारी या अनुभव नहीं होगा, तो नाटक की सफलता संशयात्मक • कहानी के रूप-शिल्प, फॉर्म अथवा संरचना के रूप की जानकारी होना आवश्यक • घटनाओं, स्थितियों अथवा दृश्यों का चुनाव और इनकी क्रमबद्धता की जानकारी • पात्र-संयोजना, परिवेश, ध्वनि और प्रकाश व्यवस्था का सम्यक ज्ञान	
9	**9**	**8**	**8**	**प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित --** (क)• समाचार लेखन में वस्तुनिष्ठता और तथ्यों की शुद्धता पर जोर दिया जाना जबकि फीचर लेखन में लेखक के पास अपनी भावनाएँ, दृष्टिकोण अभिव्यक्त करने का अवसर होना • समाचार – उलटा पिरामिड शैली, फीचर– कथात्मक शैली • समाचारों की भाषा में सपाट बयानी, फीचर की भाषा सरल, रूपात्मक, आकर्षक और मन को छूने वाली • समाचारों की शब्द सीमा सीमित, फीचर में 250–2000 शब्दों तक विस्तार संभव (ख)• इलैक्ट्रॉनिक माध्यम साक्षर-निरक्षर दोनों के लिए उपयोगी है लेकिन मुद्रित माध्यम निरक्षरों के लिए अनुपयोगी	**2x3=6**

				• इलैक्ट्रॉनिक माध्यमों में तात्कालिक घटनाओं के प्रसारण और त्रुटि-सुधार की सुविधा, मुद्रित माध्यमों में यह सुविधा नहीं • इलैक्ट्रॉनिक माध्यमों में घटना-स्थल के चित्र, सीधा प्रसारण, प्रत्यक्षदर्शियों के कथन इत्यादि की सुविधा, मुद्रित माध्यमों में नहीं	
10	**10**	**10**		**पद्य खण्ड पर आधारित किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित--** (क)• भारत की प्राकृतिक और सांस्कृतिक विशेषता का गुणगान • अनंत से आती हुई लहरों का यहाँ किनारा प्राप्त कर शांत हो जाना अर्थात् अनजानों को भी यहाँ आकर आश्रय मिलना (ख)• सागर – समाज/ विराट और बूँद– व्यक्ति • जीवन में क्षण के महत्त्व को, क्षणभंगुरता को (ग)• राम-वन-गमन का स्मरण करके माता कौशल्या का चित्रवत् होना • माता कौशल्या के वात्सल्य-वियोग की पराकाष्ठा (क)• भारत की प्राकृतिक सुंदरता का वर्णन • प्रात:कालीन वातावरण की सुंदर झाँकी • उषा रूपी सुंदरी का आकाश रूपी कुएँ से सूर्य रूपी कलश में सुनहरे प्रकाश रुपी मंगल जल को लेकर भारतवासियों पर सुख रूपी वर्षा करना अर्थात भारतवासियों पर प्रकृति की असीम कृपा होना (ख)• दीपक मानव का प्रतीक, उसका अपना विशेष अस्तित्व • समाज का अंग होकर भी समाज से पृथक अस्तित्व • अपनी योग्यता के आधार पर अंधकार को भेदने का सामर्थ्य • विराट का अंश होते हुए भी उसका महत्त्व कम नहीं	**2 x 2=4**

				(ग)• राम के विरह में दु:खी घोड़ों का दिन-प्रतिदिन दुर्बल होना • भरत द्वारा सौ गुनी देखभाल करने पर भी घोड़ों का ऐसे शिथिल, सुस्त और कांतिहीन हो जाना जैसे हिमपात के कारण कमल के फूल का मुरझा जाना	
			10	(क)• भारत की प्राकृतिक सुषमा का वर्णन • सूर्योदय के समय सूर्य की सुनहरी किरणों के ताम्रवर्णी प्रकाश का पेड़ों की ऊँची-ऊँची चोटियों पर पड़ना और उनका मनोहर नृत्य करता हुआ-सा प्रतीत होना (ख)• सर्वगुण संपन्न व्यक्ति (व्यष्टि) का विलय समाज (समष्टि) में होने से उसका और समाज का विकास होना • व्यक्तिगत सत्ता को सामाजिक सत्ता से जोड़ने पर समाज और राष्ट्र का मजबूत होना (ग)• राम का अति विनम्र, शांत और कोमल स्वभाव होना • क्रोध से परे, अपराधी पर भी क्रोध न करना • क्षमाशील	
11	**11**	**11**	**11**	**किसी एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या--** संदर्भ – 1 अंक (कवि और कविता का नाम) प्रसंग – 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या – 3 अंक विशेष – 1 अंक कवि – सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' कविता –सरोज-स्मृति **अथवा** कवि—विद्यापति कविता –पद	**6**
12	**12**			**गद्य खंड पर आधारित दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित--** (क)• मुक्त उत्तर	**2 x 2=4**

				• छात्रों के तर्कपूर्ण पक्ष या विपक्ष में लिखे विचारों पर उचित अंक दिए जाएँ। **यथा :** **पक्ष में :**हाँ, हम भी कार्य की सफलता के लिए अपने घर के आस-पास स्थित मंदिर में जाते हैं। ईश्वर से आशीर्वाद की कामना करते हैं। परिश्रम के साथ ईश्वर की कृपा की भी अभिलाषा रखते हैं। **विपक्ष में :**नहीं, हम अपने परिश्रम पर विश्वास रख, अपने माता-पिता के आशीर्वाद को प्राप्त कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की कोशिश करते हैं। (ख)• गौतम बुद्ध की मुद्रा में बैठा शेर प्रतीक है-- सत्ताधारी वर्ग का और सत्ता तभी तक खामोश रहती है जब तक जनता आँख मूँदकर उसकी आज्ञा का पालन करती रहे। • लेखक शेर की असलियत अन्य जानवरों (प्रजा) के बीच स्पष्ट करना चाहता था, उसकी पोल खोल रहा था, उसका विरोध कर रहा था। (ग) • ईश्वर भावनाओं, सच्ची आस्था और श्रद्धा को महत्त्व देते हैं, धन और पद को नहीं, ईश्वर को पाने या प्रसन्न करने के लिए किन्हीं बाहरी साधनों की आवश्यकता नहीं। (बाजीगर का उदाहरण भी दिया जा सकता है)	
		12		(क) • भारतीय संस्कृति की पहचान— 'अतिथि देवो भव' • फिलिस्तीनी नेता अराफ़ात द्वारा लेखक और उसके परिवार के स्वागत के लिए खड़े रहना, खाने की मेज पर अपने हाथों से फल छीलकर देना, गुसलखाने के बाहर तौलिया लेकर खड़े रहना— आतिथ्य सत्कार : भारतीय संस्कृति का परिचायक (ख)• पूँजीपति वर्ग द्वारा भाँति-भाँति के उपाय कर मज़दूरों को पंगु बनाने का प्रयास	

				• उनके अहम और अस्तित्व को छिन्न-भिन्न करने के नए-नए तरीके ढूँढना और अंततः उनकी अस्मिता ही समाप्त कर देना • लाचारी में आधी मजदूरी पर भी मजदूरों का काम करने के लिए तैयार होना (ग)• मंदिर में संभव के बिलकुल नजदीक आकर खड़ी लड़की के कल फिर आने के लिए प्रयुक्त 'हम' शब्द का पंडित जी द्वारा युगल अर्थ लेकर आशीर्वाद देना	
			12	(क)• मंदिर में हुई छोटी-सी मुलाकात से लड़की (पारो) के मन में भी प्रेम का अंकुर स्फुटित होना • संभव से पुन: मिलने के लिए, उसे पाने के लिए मंसा देवी पर एक और चुनरी चढ़ाने का संकल्प लेना और तभी संभव से उसकी मुलाकात हो जाना अर्थात् मनोकामना की गांठ का तत्काल फलीभूत हो जाना (ख)• विश्वास जीत लेने पर प्रमाण की महत्ता का गौण हो जाना • शेर की हिंसक प्रवृति से परिचित होने के बावजूद शेर द्वारा सहअस्तित्ववादी और बुद्ध समर्थक होने की बात कह कर विश्वास जीत लेने से बिना प्रमाण माँगे उसके मुँह में जानवरों का बेझिझक प्रवेश करते चले जाना (ग)• रोगी बालक के फूले पेट को देखकर गाँधी जी द्वारा उसके पेट पर हाथ फेरना, उसे प्यार से सहारा देकर उठाना, उल्टी करने को कहना • दिक् के मरीज से भी प्रतिदिन उसका हाल-चाल पूछना, उसकी सेवा-सुश्रूषा करना • गांधी जी की चारित्रिक विशेषता—सहानुभूति, परसेवाभाव और आत्मीयता से परिपूर्ण व्यवहार	
13				**किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या --** संदर्भ – 1 अंक (पाठ, लेखक का नाम)	**6**

	13	13	13	प्रसंग – 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या – 3 अंक विशेष – 1 अंक (क) पाठ—सुमिरिनी के मनके (घड़ी के पुर्ज़े) लेखक – पं. चंद्रधर शर्मा गुलेरी **अथवा** (ख) पाठ—जहाँ कोई वापसी नहीं लेखक – निर्मल वर्मा (क) पाठ—जहाँ कोई वापसी नहीं लेखक – निर्मल वर्मा **अथवा** (ख) पाठ—सुमिरिनी के मनके (घड़ी के पुर्ज़े) लेखक – पं. चंद्रधर शर्मा गुलेरी	
14	14			**किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित--** (क) (1+2) • तत्कालीन समाज में नारी की स्थिति सम्मानजनक न होना • उनके चरित्र पर संदेह किया जाना (सुभागी और सूरदास वाला प्रसंग—प्रमाण के रूप में) • उनके साथ मारपीट तक किया जाना **परिवर्तन-** • वर्तमान समाज में शिक्षा, अधिकारों के प्रति चेतना, महिला कानून आदि के कारण नारी की स्थिति में अपेक्षाकृत सुधार • नारी का चरित्र आज भी संदेहास्पद, लैंगिक भेदभाव आज भी विद्यमान **अथवा** (ख)• प्रकृति उनकी सहचरी	**3**

				• ग्रामीण समाज की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति— ईंधन, भोजन, जलापूर्ति आदि पूरी तरह प्रकृति पर ही निर्भर • प्राकृतिक जड़ी-बूटियों और फूलों से रोगों का इलाज • प्रकृति का कण-कण उनके लिए सजीव, उससे बात करना, उसे महसूस करना, उसे जीना उनके लिए सहज	
		14		(क) (1+2) • स्त्री-पुरुष के अधिकारों में असमानता, पराये घर में रात बिताने से स्त्री के चरित्र पर संदेह, बालविवाह, कालुष्य को दूर करने के लिए ब्रह्म भोज **दूर करना** • समाज में व्याप्त इस प्रकार की कुप्रथाओं को रोकने के लिए लोगों को जागरूक करना, शिक्षा के प्रसार पर बल , समाज में व्याप्त आडंबर का पर्दाफाश करना, कानूनी संरक्षण **अथवा** (ख) • ग्रामीण जीवन अधिक संघर्षपूर्ण • दैनिक सुविधाओं का अभाव • प्राकृतिक आपदाओं के समय जलावन और भोजन की कमी • बाढ़ के कारण साँप-बिच्छू जैसे हानिकारक जीवों का खतरा, दिशा-मैदान की परेशानी • चिकित्सा संबंधी सुविधाओं का अभाव	
			14	(क) (1+2) • सुभागी को जगधर द्वारा जब यह ज्ञात हुआ कि भैरों ने न केवल सूरदास की झोपड़ी में आग लगाई है बल्कि वह उसकी जीवनभर की पूँजी भी उठा ले गया है, तब उसने भैरों के घर जाने का निश्चय किया	

				जिससे वह सूरदास की पोटली खोजकर उसे लौटा सके **चरित्र की विशेषता** • न्याय को अपने प्रण से ऊपर मानने वाली • सत्य की पक्षधर • सूरदास द्वारा आड़े समय में दिए जाने वाले साथ के कारण सुभागी में कृतज्ञता का भाव **अथवा** (ख) • फूल प्रकृति का श्रृंगार हैं। साथ-ही-साथ वे औषधीय गुणों से भी परिपूर्ण हैं। जैसे – <u>फूल</u> — <u>औषधीय गुण</u> भरभंडा — आँख की बीमारी में लाभदायक नीम के फूल — चेचक की बीमारी बेर के फूल — बर्रे-ततैये का डंक झाड़ने में	